

बाहरी संदर्भ-परिशिष्ट: संयम की
तिथियाँ और स्वर्ग, पृथ्वी तथा मनुष्य
से जुड़े निषेध

विषय-सूची

इस तालिका को कैसे पढ़ें.....	4
चंद्रमास 1.....	6
चंद्रमास 2.....	11
चंद्रमास 3.....	16
चंद्रमास 4.....	20
चंद्रमास 5.....	24
चंद्रमास 6.....	29
चंद्रमास 7.....	33
चंद्रमास 8.....	38
चंद्रमास 9.....	43
चंद्रमास 10.....	47
चंद्रमास 11.....	51
चंद्रमास 12.....	56
ऋतुओं और अन्य परिस्थितियों से जुड़े अतिरिक्त निषेध.....	61
स्रोत-पाठ की अनिर्णीत बातें.....	71

बाहरी संदर्भ-परिशिष्ट: संयम की तिथियाँ और स्वर्ग, पृथ्वी तथा मनुष्य से जुड़े निषेध

बाहरी हिन्दी संदर्भ-परिशिष्ट। स्वतंत्र AI एजेंट की समीक्षा और सुधारों की अलग जाँच पूरी हो चुकी है। यह पूरी पुस्तक का अंतिम संस्करण या मानव संपादक का प्रमाणन नहीं है।

यह परिशिष्ट ‘शौकांग बाओज्यान’ के सरल चीनी संस्करण (《寿康宝鉴》白话) में दिए गए संदर्भित तालिका-पाठ का अनुवाद है। स्रोत में संकलन यिनगुआंग, सरल भाषा में अनुवाद ‘त्रिरत्न के शिष्य’ और संशोधन जिए-श्ये-यिन वेबसाइट के नाम से है। तालिका PDF के पृष्ठ 168–184, अर्थात् मुद्रित पृष्ठ 165–181 पर है। परियोजना की मूल TXT फ़ाइल में स्थान 1803 पर तालिका का शीर्षक और उसे बाहर खोजने की सूचना है, पूरी तालिका नहीं। यह बाहरी स्रोत से बनाया गया अलग परिशिष्ट है; इसे मूल TXT वाली उसी मुद्रित प्रति की पुनर्प्राप्ति नहीं कहा जा रहा है। मूल फ़ाइल अपरिवर्तित है।

इस तालिका को कैसे पढ़ें

महीने और दिन चीनी चांद्र-सौर पंचांग के हैं। 'महीना 1' का अर्थ जनवरी नहीं है। बड़े महीने में तीस और छोटे में उनतीस दिन हैं। चीनी चक्रीय दिन-वर्ष संकेत यथावत रखे गए हैं; किसी वर्तमान वर्ष की ग्रेगोरियन तारीखें नहीं निकाली गई हैं। 'संयम' से इस पाठ में निर्दिष्ट अवसर पर यौन संबंध न बनाना अभिप्रेत है।

हर दिन के अंतर्गत पहले अवसरों या निषेध-कारणों का पूरा समूह और फिर स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पूरा पाठ दिया गया है। दोनों समूह अपने मूल क्रम में हैं, लेकिन उनके अलग-अलग पदों का स्वतः एक-से-एक संबंध नहीं बनाया गया है। कहीं परिणाम के स्थान पर अलग शब्द न होना 'कोई परिणाम नहीं' होने का दावा नहीं है। आगे की अतिरिक्त तालिकाओं में साझा खाने का दायरा स्पष्ट किया गया है।

आयु, धार्मिक प्रतिफल, रोग, गर्भ और संतान के बारे में कथन ऐतिहासिक स्रोत की मान्यताएँ हैं। अनुवाद उन्हें चिकित्सा-सत्य, उपचार-सलाह या परिणाम की प्रमाणित गारंटी नहीं बनाता। 'जी' को स्रोत बारह वर्ष और 'सुआन' को सौ दिन की इकाई बताता है। 'जीविका-सौभाग्य' से यहाँ रोज़ी, पद और जीवन के अनुकूल अवसरों से जुड़ी स्रोत की अवधारणा अभिप्रेत है।

जेड सम्राट चीनी धार्मिक परंपरा के एक देव-सम्राट हैं; उन्हें किसी अन्य धर्म का सर्वशक्तिमान ईश्वर नहीं माना गया है। चार स्वर्गीय राजा बौद्ध परंपरा के रक्षक पात्र हैं। डौ के देवता तारामंडल से संबंधित हैं; यह किसी भारतीय देवता का स्थानापन्न नाम नहीं है। जीवन-नियंता मनुष्यों के कर्मों का लेखा देने वाला देव-पात्र है। सानयुआन इस संदर्भ में तीन वार्षिक पर्वों और उनसे जुड़ी दिव्य सत्ताओं का नाम है; इनके दिन आगे दिए हैं। सानशी स्रोत की शरीरवासी तीन सत्ताएँ हैं। यिन और

यांग चीनी परंपरा के पूरक तत्त्व हैं, आधुनिक रोगों के नाम नहीं। दाओ 'सिद्ध गुरु'
आध्यात्मिक पद है, प्रशासनिक अधिकारी का पद नहीं।

चंद्रमास 1

स्रोत: PDF पृष्ठ 168; मुद्रित पृष्ठ 165.

दिन 1 [M01-D01]

अवसर या संयम का कारण: त्येन-ला का स्वर्गीय पर्व; जेड सम्राट मनुष्यों की आत्मिक शक्ति, जीवन-ऊर्जा, आजीविका और आयु की जाँच करते हैं; चंद्रमास का पहला दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक 'जी' का हरण (एक जी बारह वर्ष और एक सुआन सौ दिन है; जी या सुआन का हरण आयु घटने को कहता है); एक जी का हरण।

दिन 3 [M01-D03]

अवसर या संयम का कारण: सभी देवताओं का समागम; डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 5 [M01-D05]

अवसर या संयम का कारण: पाँच दुर्बलताओं का निषिद्ध दिन। स्रोत पारंपरिक चीनी चिकित्सा के संदर्भ में इनके लक्षण बताता है: सूक्ष्म नाड़ी, ठंडी त्वचा, दोनों मल-मूत्र मार्गों से असंयमित स्राव, भोजन ग्रहण न कर पाना और मूल जीवन-ऊर्जा का अभाव।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 6 [M01-D06]

अवसर या संयम का कारण: छह क्षयकारी अवस्थाओं का निषिद्ध दिन: स्रोत यिन, यांग, अंधकार, प्रकाश, वायु और वर्षा से उत्पन्न छह रोगों का उल्लेख करता है; गर्जन-उपवास का दिन (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 7 [M01-D07]

अवसर या संयम का कारण: ऊपरी समागम का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 8 [M01-D08]

अवसर या संयम का कारण: पाँचवें न्याय-कक्ष के राजा यानलुओ की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 9 [M01-D09]

अवसर या संयम का कारण: जेड सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 13 [M01-D13]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M01-D14]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 15 [M01-D15]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण; शांगयुआन का देव-समागम; पूर्ण चंद्रमा का दिन (हर महीने यही नियम); चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है; एक जी का हरण; एक जी का हरण।

दिन 16 [M01-D16]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 19 [M01-D19]

अवसर या संयम का कारण: दाओ साधना में सिद्ध गुरु चांगचुन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M01-D23]

अवसर या संयम का कारण: सानशी के तीन शरीरवासी देव-प्रेत अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M01-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस (हर महीने यही नियम); स्वर्ग और पृथ्वी के भंडार खुलने का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है; आयु को क्षति पहुँचती है और संतान रोगयुक्त जन्म लेती है।

दिन 27 [M01-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M01-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है (हर महीने यही नियम; एक दिन पहले से संयम शुरू करना चाहिए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M01-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M01-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं (हर महीने यही नियम); चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (हर महीने यही नियम; छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 2

स्रोत: PDF पृष्ठ 169; मुद्रित पृष्ठ 166.

दिन 1 [M02-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; पहले न्याय-कक्ष के राजा छिनगुआंग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 2 [M02-D02]

अवसर या संयम का कारण: सभी देवताओं का समागम; भूमि-देव फू-दे की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक जी का हरण; विपत्ति आती है।

दिन 3 [M02-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; सम्राट वनचांग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 6 [M02-D06]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-उपवास का दिन; पूर्वी पर्वत के सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 8 [M02-D08]

अवसर या संयम का कारण: शाक्यमुनि बुद्ध का गृहत्याग; राजा सोंगदी की जयंती; सम्राट झांग की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 11 [M02-D11]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M02-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M02-D15]

अवसर या संयम का कारण: शाक्यमुनि बुद्ध का परिनिर्वाण; पूर्ण चंद्रमा का दिन; ताइशांग लाओजुन की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 17 [M02-D17]

अवसर या संयम का कारण: पूर्व दिशा के सेनापति दू की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 18 [M02-D18]

अवसर या संयम का कारण: चौथे न्याय-कक्ष के राजा वूगुआन की जयंती; परम आदरणीय प्राचीन आचार्य कन्फ्यूशियस की पुण्यतिथि।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 19 [M02-D19]

अवसर या संयम का कारण: महासत्त्व गुआनयिन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 21 [M02-D21]

अवसर या संयम का कारण: समन्तभद्र बोधिसत्त्व की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M02-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M02-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M02-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M02-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M02-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M02-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 3

स्रोत: PDF पृष्ठ 170; मुद्रित पृष्ठ 167.

दिन 1 [M03-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; दूसरे न्याय-कक्ष के राजा छूजियांग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M03-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; सम्राट श्वेनत्येन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 6 [M03-D06]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 8 [M03-D08]

अवसर या संयम का कारण: छोटे न्याय-कक्ष के राजा बियानचंग की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 9 [M03-D09]

अवसर या संयम का कारण: वृषभाकार प्रेत-देव का बाहर निकलना; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: स्रोत के शब्दों में, दुष्ट प्रकृति वाला भ्रूण जन्म लेता है।

दिन 12 [M03-D12]

अवसर या संयम का कारण: मध्य दिशा के पाँच मार्गों के देवता की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M03-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M03-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; श्वेनतान की जयंती; सम्राट हाओत्येन की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 16 [M03-D16]

अवसर या संयम का कारण: चुन्दी बोधिसत्त्व की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 18 [M03-D18]

अवसर या संयम का कारण: मध्य पर्वत के सम्राट की जयंती; देवी होउतु की जयंती; तीन माओ देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 20 [M03-D20]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग और पृथ्वी के भंडार खुलने का दिन; संतान की देवी की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 23 [M03-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M03-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M03-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; सातवें न्याय-कक्ष के राजा ताइशान की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M03-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है; परम आदरणीय प्राचीन आचार्य छांगज्ये की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है; जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 29 [M03-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M03-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 4

स्रोत: PDF पृष्ठ 171; मुद्रित पृष्ठ 168.

दिन 1 [M04-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; आठवें न्याय-कक्ष के राजा दूशी की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M04-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 4 [M04-D04]

अवसर या संयम का कारण: सभी देवता सदाचार की ओर प्रेरित करते हैं; मञ्जुश्री बोधिसत्त्व की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: ‘失瘡’ [स्रोत का यह शब्द अभी अनिर्णीत है]; भ्रूण की अकाल मृत्यु।

दिन 6 [M04-D06]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 8 [M04-D08]

अवसर या संयम का कारण: शाक्यमुनि बुद्ध की जयंती; सभी देवता सदाचार की ओर प्रेरित करते हैं; शुभ और अशुभ कर्मों के दो बाल-देवों का अवतरण; नौवें न्याय-कक्ष के राजा पिंगदंग की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक जी का हरण; ‘失猪’ [अनिर्णीत शब्द]; भ्रूण की अकाल मृत्यु; रक्तसाव से मृत्यु।

दिन 14 [M04-D14]

अवसर या संयम का कारण: आदिगुरु छुनयांग की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 15 [M04-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; आदिगुरु झोंगली की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 16 [M04-D16]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग और पृथ्वी के भंडार खुलने का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 17 [M04-D17]

अवसर या संयम का कारण: दसवें न्याय-कक्ष के राजा झुआनलुन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 18 [M04-D18]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग और पृथ्वी के भंडार खुलने का दिन; सम्राट ज़िवेइ की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 20 [M04-D20]

अवसर या संयम का कारण: पवित्र माता यानगुआंग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M04-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M04-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M04-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M04-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M04-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M04-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 5

स्रोत: PDF पृष्ठ 172; मुद्रित पृष्ठ 169.

दिन 1 [M05-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; दीर्घायु सम्राट नानजी चांगशंग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M05-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 5 [M05-D05]

अवसर या संयम का कारण: दी-ला का पृथ्वी-संबंधी पर्व; पाँच सम्राट मनुष्यों के पद और उपाधियाँ निर्धारित करते हैं; नौ विष-दिवसों में से एक; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और एक जी का हरण; अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 6 [M05-D06]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक; गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 7 [M05-D07]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 8 [M05-D08]

अवसर या संयम का कारण: दक्षिण दिशा के पाँच मार्गों के देवता की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 11 [M05-D11]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग का भंडार खुलने का दिन; संसार के नगर-देवताओं के प्रधान की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 12 [M05-D12]

अवसर या संयम का कारण: अधिपति बिंगलिंग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 13 [M05-D13]

अवसर या संयम का कारण: संत गुआन की दिव्य सत्ता का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 14 [M05-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण; रात के ज़िं पहर में स्वर्ग और पृथ्वी का सामंजस्यपूर्ण मिलन होता है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: तीन वर्ष के भीतर पति-पत्नी दोनों की मृत्यु।

दिन 15 [M05-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; नौ विष-दिवसों में से एक; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक जी का हरण; अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 16 [M05-D16]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक; स्वर्ग और पृथ्वी की मूल जीवन-ऊर्जा से समस्त वस्तुओं की रचना का समय।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: तीन वर्ष के भीतर पति-पत्नी दोनों की मृत्यु।

दिन 17 [M05-D17]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 18 [M05-D18]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्गीय गुरु झांग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 22 [M05-D22]

अवसर या संयम का कारण: देवी श्याओ-ए (孝娥) की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 23 [M05-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M05-D25]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक; मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 26 [M05-D26]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 27 [M05-D27]

अवसर या संयम का कारण: नौ विष-दिवसों में से एक; डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अकाल मृत्यु; अप्रत्याशित विचित्र विपत्ति।

दिन 28 [M05-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M05-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M05-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

पूरे महीने के लिए स्रोत की टिप्पणी: इस महीने पूर्णतः संयम रखना ही उचित है।

चंद्रमास 6

स्रोत: PDF पृष्ठ 173; मुद्रित पृष्ठ 170.

दिन 1 [M06-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M06-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 4 [M06-D04]

अवसर या संयम का कारण: दक्षिणी जम्बूद्वीप में महान धर्मचक्र का प्रवर्तन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 6 [M06-D06]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग का भंडार खुलने का दिन; गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 8 [M06-D08]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 10 [M06-D10]

अवसर या संयम का कारण: जिनसु तथागत की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 13 [M06-D13]

अवसर या संयम का कारण: कुओं और झरनों के नागराज की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M06-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M06-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 19 [M06-D19]

अवसर या संयम का कारण: महासत्त्व गुआनयिन का निर्वाण (बोधि-प्राप्ति का दिन)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 23 [M06-D23]

अवसर या संयम का कारण: दक्षिण के अग्नि-देव की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आग की विपत्ति होती है।

दिन 24 [M06-D24]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन के पूर्वज-देव की जयंती; सम्राट गुआन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 25 [M06-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M06-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M06-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M06-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M06-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 7

स्रोत: PDF पृष्ठ 174; मुद्रित पृष्ठ 171.

दिन 1 [M07-D01]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M07-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 5 [M07-D05]

अवसर या संयम का कारण: मध्य समागम का दिन; एक अन्य पाठ में इसे सातवाँ दिन कहा गया है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 6 [M07-D06]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 7 [M07-D07]

अवसर या संयम का कारण: दाओ-दे-ला का पर्व; पाँच सम्राट जीवित मनुष्यों के अच्छे-बुरे कर्मों की जाँच करते हैं; कुइशिंग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 8 [M07-D08]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 10 [M07-D10]

अवसर या संयम का कारण: यिन-विष का दिन; कठोर निषेध।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 12 [M07-D12]

अवसर या संयम का कारण: दाओ साधना में सिद्ध गुरु तान चांगझन की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 13 [M07-D13]

अवसर या संयम का कारण: महास्थामप्राप्त बोधिसत्त्व की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 14 [M07-D14]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 15 [M07-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; सानयुआन का अवतरण; पृथ्वी-अधिकारी अभिलेखों की जाँच करते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 16 [M07-D16]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 18 [M07-D18]

अवसर या संयम का कारण: पश्चिम की राजमाता की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 19 [M07-D19]

अवसर या संयम का कारण: वर्ष-देव ताइसुइ की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 22 [M07-D22]

अवसर या संयम का कारण: समृद्धि बढ़ाने वाले धन-देव जंगफू की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 23 [M07-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M07-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M07-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M07-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M07-D29]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M07-D30]

अवसर या संयम का कारण: क्षितिगर्भ बोधिसत्त्व की जयंती; मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक जी का हरण; आयु घटती है।

चंद्रमास 8

स्रोत: PDF पृष्ठ 175; मुद्रित पृष्ठ 172.

दिन 1 [M08-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; सिद्ध गुरु श्यू की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M08-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; उत्तरी डौ के देवताओं की जयंती; जीवन-नियंता चूल्हा-देव की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और एक जी का हरण; आग की विपत्ति।

दिन 5 [M08-D05]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-नाद के सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 6 [M08-D06]

अवसर या संयम का कारण: गर्जन-उपवास।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 8 [M08-D08]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 10 [M08-D10]

अवसर या संयम का कारण: उत्तरी डौ के सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 12 [M08-D12]

अवसर या संयम का कारण: पश्चिम दिशा के पाँच मार्गों के देवता की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M08-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M08-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; चंद्रदेवी ताइयिन मूल दिव्य दरबार में उपस्थित होती हैं (धूप जलाकर रात्रि-जागरण करना चाहिए); चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: अचानक मृत्यु।

दिन 16 [M08-D16]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्गीय विभाग के सिद्ध निरीक्षक का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: दरिद्रता और अल्पायु।

दिन 18 [M08-D18]

अवसर या संयम का कारण: देवताओं और मनुष्यों के सौभाग्य-वर्धन का समय (उपवास और संयम रखते हुए शुभ बातों का चिंतन करना चाहिए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M08-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण; हान के ह्वानहोउ और श्येन राजा की उपाधियों वाले झांग की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 24 [M08-D24]

अवसर या संयम का कारण: चूल्हा-देव की पत्नी की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M08-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M08-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; परम आदरणीय प्राचीन आचार्य कन्फ़्यूशियस की जयंती; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M08-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है; चार स्वर्गीय राजा कार्य-संबंधी सभा करते हैं।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M08-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M08-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; देवता जाँच और आकलन करते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के जी और सुआन का हरण।

चंद्रमास 9

स्रोत: PDF पृष्ठ 176; मुद्रित पृष्ठ 173.

दिन 1 [M09-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन; दक्षिणी डौ के देवताओं की जयंती; पहले से नौवें दिन तक उत्तरी डौ के नौ तारों का अवतरण होता है (इन नौ दिनों में उपवास और संयम रखना चाहिए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और एक जी का हरण; एक जी का हरण।

दिन 3 [M09-D03]

अवसर या संयम का कारण: पाँच महामारी-देवताओं की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 8 [M09-D08]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण; डौ-माता की जयंती; सम्राट फ़ंगदू की जयंती; सम्राट श्वेनत्येन का स्वर्गरोहण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 10 [M09-D10]

अवसर या संयम का कारण: डौ-माता का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 11 [M09-D11]

अवसर या संयम का कारण: संयम रखना चाहिए।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 13 [M09-D13]

अवसर या संयम का कारण: पूजनीय देवी मंग पो की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M09-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M09-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 17 [M09-D17]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्णिम नाग चौथे महाराज की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जल-संबंधी विपत्ति।

दिन 19 [M09-D19]

अवसर या संयम का कारण: सूर्य और चंद्रमा के महलों का मिलन; गुआनयिन बोधिसत्त्व के गृहत्याग का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 23 [M09-D23]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M09-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M09-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M09-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M09-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M09-D30]

अवसर या संयम का कारण: भैषज्यगुरु वैदूर्यप्रभ बुद्ध की जयंती; मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: गंभीर रोग; आयु घटती है।

चंद्रमास 10

स्रोत: PDF पृष्ठ 177; मुद्रित पृष्ठ 174.

दिन 1 [M10-D01]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; मिन-सुइ-ला का पर्व; चार स्वर्गीय राजाओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक जी का हरण; एक वर्ष के भीतर मृत्यु।

दिन 3 [M10-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; तीन माओ देवताओं की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 5 [M10-D05]

अवसर या संयम का कारण: निचले समागम का दिन; आदिगुरु बोधिधर्म की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु को क्षति पहुँचती है।

दिन 6 [M10-D06]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्गीय विभाग की जाँच।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 8 [M10-D08]

अवसर या संयम का कारण: बुद्ध का निर्वाण-दिवस, जिसमें कामेच्छा का कठोर निषेध है; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 10 [M10-D10]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: एक वर्ष के भीतर मृत्यु।

दिन 11 [M10-D11]

अवसर या संयम का कारण: संयम रखना चाहिए।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M10-D14]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 15 [M10-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; सानयुआन का अवतरण; श्यायुआन पर जल-विभाग में अभिलेखों की जाँच; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 16 [M10-D16]

अवसर या संयम का कारण: सानयुआन का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 23 [M10-D23]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 25 [M10-D25]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 27 [M10-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण; सम्राट बेजी ज़िवेइ का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M10-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M10-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M10-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 11

स्रोत: PDF पृष्ठ 178; मुद्रित पृष्ठ 175.

दिन 1 [M11-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M11-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 4 [M11-D04]

अवसर या संयम का कारण: परम आदरणीय प्राचीन आचार्य कन्फ़्यूशियस की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 6 [M11-D06]

अवसर या संयम का कारण: पश्चिमी पर्वत के सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: जीविका-सौभाग्य में कटौती और आयु के एक जी का हरण।

दिन 8 [M11-D08]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 11 [M11-D11]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग का भंडार खुलने का दिन; दुःख से बचाने वाले स्वर्गीय पूज्य ताइयी की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 14 [M11-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M11-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण; रात के पहले आधे में संयम का उल्लंघन; रात के दूसरे आधे में संयम का उल्लंघन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: पुरुष की मृत्यु; स्त्री की मृत्यु।

दिन 17 [M11-D17]

अवसर या संयम का कारण: अमिताभ बुद्ध की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 19 [M11-D19]

अवसर या संयम का कारण: सूर्य-महल के सूर्यदेव की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: विचित्र विपत्ति।

दिन 21 [M11-D21]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M11-D23]

अवसर या संयम का कारण: अमर सिद्ध झांग की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: वंश का अंत।

दिन 25 [M11-D25]

अवसर या संयम का कारण: निरीक्षक अधिकारी का अवतरण; मासांत का अंध-चंद्र दिवस।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: भारी अशुभ परिणाम।

दिन 26 [M11-D26]

अवसर या संयम का कारण: उत्तर दिशा के पाँच मार्गों के देवता की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 27 [M11-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M11-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M11-D29]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M11-D30]

अवसर या संयम का कारण: मासांत का अंध-चंद्र दिवस; जीवन-नियंता अपना प्रतिवेदन देते हैं; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण (छोटा महीना हो तो 29वें दिन संयम रखा जाए)।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

चंद्रमास 12

स्रोत: PDF पृष्ठ 179; मुद्रित पृष्ठ 176.

दिन 1 [M12-D01]

अवसर या संयम का कारण: चंद्रमास का पहला दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 3 [M12-D03]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 6 [M12-D06]

अवसर या संयम का कारण: 'स्वर्ग का भंडार खुलने का महीना' (天仓开月, अपनाए गए PDF का पाठ); गर्जन-उपवास का दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु घटती है।

दिन 8 [M12-D08]

अवसर या संयम का कारण: वांग-होउ-ला का पर्व; शाक्यमुनि तथागत की बोधि-प्राप्ति का दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 12 [M12-D12]

अवसर या संयम का कारण: ताइसू सानयुआनजुन (太素三元君) का सिद्धों के दिव्य दरबार में आगमन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 14 [M12-D14]

अवसर या संयम का कारण: चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 15 [M12-D15]

अवसर या संयम का कारण: पूर्ण चंद्रमा का दिन; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 16 [M12-D16]

अवसर या संयम का कारण: दक्षिणी पर्वत के सम्राट की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 19 [M12-D19]

अवसर या संयम का कारण: यांग गोंग का निषिद्ध दिन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 20 [M12-D20]

अवसर या संयम का कारण: स्वर्ग और पृथ्वी के मार्गों का मिलन।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु छोटी होती है।

दिन 21 [M12-D21]

अवसर या संयम का कारण: सम्राट त्सेनयोउ की जयंती।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 23 [M12-D23]

अवसर या संयम का कारण: पाँच पर्वतों के देवताओं का अवतरण; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 24 [M12-D24]

अवसर या संयम का कारण: जीवन-नियंता स्वर्ग में जाकर मनुष्यों के अच्छे-बुरे कर्मों का प्रतिवेदन देते हैं।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: बड़ी विपत्ति।

दिन 25 [M12-D25]

अवसर या संयम का कारण: तीन पवित्र सत्ताएँ और जेड सम्राट साथ उतरकर अच्छे-बुरे कर्मों की जाँच करते हैं।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: विचित्र विपत्ति।

दिन 27 [M12-D27]

अवसर या संयम का कारण: डौ तारामंडल के देवताओं का अवतरण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: आयु के एक जी का हरण।

दिन 28 [M12-D28]

अवसर या संयम का कारण: शरीर की रक्षक सत्ता जननांगों के स्थान पर रहती है।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: रोग होता है।

दिन 29 [M12-D29]

अवसर या संयम का कारण: ह्यायान बोधिसत्त्व की जयंती; चार स्वर्गीय राजाओं का निरीक्षण-भ्रमण।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: इस स्थान पर परिणाम के स्तंभ में अलग शब्द नहीं हैं। इसका अर्थ परिणाम का अभाव नहीं है; स्रोत में साझा खाने भी हैं।

दिन 30 [M12-D30]

अवसर या संयम का कारण: देवता उतरकर अच्छे-बुरे कर्मों की पड़ताल करते हैं।

स्रोत के परिणाम-स्तंभ का पाठ: संयम का उल्लंघन करने वाले स्त्री-पुरुष दोनों की मृत्यु।

पहले दस दिनों के भीतर स्वतंत्र शर्त

बारहवें महीने के पहले दस दिनों में पड़ने वाला वू (戊) दिन। स्रोत में यह आठवें दिन के समूह के बाद और बारहवें दिन से पहले छपा है, लेकिन इसका अर्थ आठवाँ दिन नहीं है। स्रोत इस शर्त के लिए अलग परिणाम नहीं बताता; आठवें दिन का एक जी हरने वाला परिणाम यहाँ लागू नहीं किया गया है।

सभी महीनों पर स्रोत की टिप्पणी: ऊपर बताए संयम के दिन हर वर्ष कुल 225 होते हैं। अधिकमास में भी संबंधित महीने के पहले बताए नियम लागू होते हैं। ये सभी हर महीने के निश्चित दिन हैं।

ऋतुओं और अन्य परिस्थितियों से जुड़े अतिरिक्त निषेध

नीचे भी उसी ऐतिहासिक ग्रंथ का कथन जारी है। ‘उल्लंघन’ का अर्थ यहाँ उस समय यौन संबंध बनाना है जब स्रोत संयम का निर्देश देता है। रोग, मृत्यु, गर्भ और संतान से जुड़े सभी दावे उसी ग्रंथ के हैं; ये आधुनिक चिकित्सा-सलाह नहीं हैं।

A01 — दोनों विषुवों के महीने (PDF पृष्ठ 180; मुद्रित पृष्ठ 177)

- वसंत विषुव, छुनफ़न: मेघ गर्जना शुरू करने वाले होते हैं। उल्लंघन का बताया गया परिणाम है कि संतान के चेहरे के अंग और हाथ-पैर पूरे विकसित नहीं होंगे तथा माता-पिता पर विपत्ति आएगी। स्रोत जिंगझे, ‘कीटों के जागने’ वाले ऋतु-बिंदु, से संयम शुरू कर एक महीने से अधिक जारी रखने को कहता है।
- शरद विषुव, छ्योउफ़न: संहारक शक्ति बढ़ती और यांग शक्ति प्रतिदिन घटती है। स्रोत बाइलू, ‘श्वेत ओस’, से संयम शुरू कर एक महीने से अधिक जारी रखने को कहता है।
- दोनों के लिए स्रोत की टिप्पणी: इन दोनों ऋतु-बिंदुओं से तीन दिन पहले और तीन दिन बाद, बीच का दिन मिलाकर कुल सात दिनों में उल्लंघन करने पर गंभीर रोग अवश्य होगा; इसलिए विशेष सावधानी से संयम रखना चाहिए।

A02 — दोनों अयनांतों के महीने (PDF 180; मुद्रित 177)

- ग्रीष्म अयनांत, श्यात्वि: यिन और यांग के संघर्ष तथा जीवन-मृत्यु के अलग होने का समय। स्रोत मांगझोंग, ‘बालियों वाले अनाज’, से संयम शुरू कर एक महीने से अधिक जारी रखने को कहता है।
- शीत अयनांत, दोंगत्वि: यिन और यांग के संघर्ष तथा जीवन-मृत्यु के अलग होने का समय। स्रोत दाशुए, ‘भारी हिमपात’, से संयम शुरू कर एक महीने से अधिक जारी रखने को कहता है।
- साझा टिप्पणियाँ: इन दोनों बिंदुओं पर यिन और यांग के विच्छेद और पुनः प्रवाह का संधिकाल होता है, इसलिए विशेष रूप से संयम रखना चाहिए। दोनों अयनांतों से तीन दिन पहले और तीन दिन बाद, बीच का दिन मिलाकर सात दिनों में उल्लंघन पर तीव्र रोग अवश्य होगा; स्रोत विशेष सावधानी पर ज़ोर देता है।

A03 — शीत अयनांत (PDF 180; मुद्रित 177)

स्रोत के क्रम में: आधी रात का ज़ि पहर; उसके बाद आने वाले गंग और शिन दिन; तीसरा श्यू दिन। इन सबका परिणाम एक साझा खाने में है: उल्लंघन करने वाला एक वर्ष के भीतर मर जाता है, ऐसा स्रोत का कथन है।

U01 — सानयुआन और अन्य निर्धारित दिन (PDF 180–181; मुद्रित 177–178)

- सानयुआन के दिन: चीनी चंद्र पंचांग के पहले, सातवें और दसवें महीने की पंद्रहवीं तारीख, क्रमशः शांगयुआन, झोंगयुआन और श्यायुआन। स्रोत के अनुसार उल्लंघन से आयु पाँच वर्ष घटती है।

- चार आरंभ: लिछुन, लिश्या, लिछ्योउ, लिदोंग, अर्थात् वसंत, ग्रीष्म, शरद और शीत के आरंभ। चार वियोग: शीत अयनांत, ग्रीष्म अयनांत, वसंत विषुव और शरद विषुव से एक दिन पहले। चार अवसान: चार ऋतु-आरंभों से एक दिन पहले। भूमि-पूजन के दो दिन: वसंत के आरंभ के बाद पाँचवाँ वू दिन, और शरद के आरंभ के बाद पाँचवाँ वू दिन। स्रोत कहता है कि इनमें किसी भी दिन उल्लंघन से आयु पाँच वर्ष घटती है।
- भूमि-पूजन के दिन गर्भ में आने वाली संतान के सभी बाल सफ़ेद होते हैं, ऐसा स्रोत कहता है।
- फ़ू के तीन काल, पहला, मध्य और अंतिम; हर काल दस दिनों का। चंद्रमा के अर्धचंद्र वाले दिन: बढ़ते चंद्रमा का अर्धचंद्र सातवें या आठवें दिन, घटते चंद्रमा का बाईसवें या तेईसवें दिन। मासांत का अंध-चंद्र दिवस, अर्थात् हर महीने का अंतिम दिन। हर महीने के तीन शिन दिन। स्रोत इन सभी में उल्लंघन से आयु एक वर्ष घटने का दावा करता है। वह यहाँ दोहराता है कि फ़ू के प्रत्येक काल में दस दिन होते हैं।
- ज्या-ज़ि दिन; गंग-शन दिन; ताइसुइ दिन; धूप चढ़ाने, उपवास रखने, अर्पण करने और बुद्ध को धन्यवाद देने के दिन: स्रोत के अनुसार उल्लंघन से आयु एक वर्ष घटती है।
- पूर्वजों की पुण्यतिथियाँ; माता-पिता के जन्मदिन और पुण्यतिथियाँ: उल्लंघन से आयु एक वर्ष घटती है।
- पति और पत्नी, दोनों के अपने-अपने जन्मदिन (स्रोत का पद: 本命誕生日): उल्लंघन से आयु घटती है।
- बिंग और दिंग दिन; स्वर्ग और पृथ्वी के भंडार खुलने के दिन: उल्लंघन से रोग होता है।

- विनाश के दिन: बड़े महीने का अठारहवाँ दिन और छोटे महीने का सत्रहवाँ दिन। बताया गया परिणाम रोग है।

U02 — ‘दस दुष्टताओं और महान पराजय’ के दिन (PDF 181; मुद्रित 178)

वर्ष और दिन चीनी चक्रीय संकेतों में ही रखे गए हैं; इन्हें आधुनिक ग्रेगोरियन तारीखों में नहीं बदला गया है।

- ज्या या जी वर्षों (甲、己) में: तीसरे महीने का वू-श्यू (戊戌); सातवें का गुइ-हाइ (癸亥); दसवें का बिंग-शन (丙申); ग्यारहवें का दिंग-हाइ (丁亥)।
- यी या गंग वर्षों (乙、庚) में: चौथे महीने का रन-शन (壬申); नौवें का यी-सि (乙巳)।
- बिंग या शिन वर्षों (丙、辛) में: तीसरे महीने का शिन-सि (辛巳); नौवें का गंग-छन (庚辰); दसवें का ज्या-छन (甲辰)।
- दिंग या रन वर्षों (丁、壬) में: इस श्रेणी का कोई निषेध नहीं।
- वू या गुइ वर्षों (戊、癸) में: छठे महीने का जी-छोउ (己丑)।

स्रोत इन दिनों को बहुत अशुभ बताते हुए संयम रखने को कहता है। ‘कोई निषेध नहीं’ केवल इस श्रेणी और निर्दिष्ट वर्षों का कथन है, बाकी तालिका का निषेध-निरसन नहीं।

A04 — यिन की असंगति वाले दिन (PDF 181; मुद्रित 178)

महीना 1: गंग-श्यू (庚戌); महीना 2: शिन-योउ (辛酉); महीना 3: गंग-शन (庚申); महीना 4: दिंग-वेइ (丁未)।

महीना 5: बिंग-वू (丙午); महीना 6: दिंग-सि (丁巳); महीना 7: ज्या-छन (甲辰); महीना 8: यी-माओ (乙卯)।

महीना 9: ज्या-यिन (甲寅); महीना 10: गुइ-छोउ (癸丑); महीना 11: रन-ज़ि (壬子); महीना 12: गुइ-हाइ (癸亥)।

साझा खाने का कथन सभी बारह महीनों पर लागू है: इन दिनों यिन की कमी होती है; सभी में संयम रखना चाहिए।

A05 — यांग की असंगति वाले दिन (PDF 182; मुद्रित 179)

महीना 1: 'शन-यिन' (申寅), स्रोत में यही पाठ है और यह अभी संदिग्ध है; महीना 2: यी-माओ (乙卯); महीना 3: ज्या-छन (甲辰); महीना 4: दिंग-सि (丁巳)।

महीना 5: बिंग-वू (丙午); महीना 6: दिंग-वेइ (丁未); महीना 7: गंग-शन (庚申); महीना 8: शिन-योउ (辛酉)।

महीना 9: गंग-श्यू (庚戌); महीना 10: गुइ-हाइ (癸亥); महीना 11: रन-ज़ि (壬子); महीना 12: गुइ-छोउ (癸丑)।

साझा खाने का कथन सभी बारह महीनों पर लागू है: इन दिनों यांग की कमी होती है; सभी में संयम रखना चाहिए।

स्रोत की टिप्पणी: हर वर्ष शिश्येन पंचांग के अनुसार महीनेवार इन तिथियों की जाँच कर सूची बनाई जाए, उसे इस पुस्तक में रखा जाए और उसके अनुसार संयम का पालन किया जाए।

A06 — स्वर्ग-संबंधी निषेध: विशेष संयम (PDF 182; मुद्रित 179)

- भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड: स्रोत उल्लंघन पर ऐसा गंभीर रोग होने का दावा करता है जिससे बचाया नहीं जा सकेगा।
- तेज़ आँधी, गर्जन और वर्षा; आकाश-पृथ्वी पर अँधेरा; सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण; इंद्रधनुष दिखाई देना और भूकंप: स्रोत उल्लंघन को 'विकृत प्राणी' के जन्म और मृत्यु से जोड़ता है। यह ऐतिहासिक स्रोत का वर्णन है, आधुनिक चिकित्सकीय वर्गीकरण या किसी व्यक्ति के मूल्य का निर्णय नहीं।
- दिन का समय; तारों और चंद्रमा के नीचे; दीपक या आग के सामने: स्रोत के अनुसार उल्लंघन से आयु घटती है।

A07 — स्थान-संबंधी निषेध: विशेष संयम (PDF 182; मुद्रित 179)

- मंदिरों, बौद्ध विहारों, दाओ मंदिरों और उपासना-कक्षों के भीतर: स्रोत आजीविका-सौभाग्य और आयु में बड़ी कमी बताता है।
- कुएँ, चूल्हे और शौचालय के पास; उजड़े बगीचे, कब्र, शव या ताबूत के समीप: स्रोत कहता है कि दुष्ट देव-प्रेत गर्भ में उतरते हैं और साथ ही 'विकृत प्राणी' का जन्म तथा मृत्यु होती है।

A08 — मनुष्य की अवस्थाओं से जुड़े निषेध (PDF 182; मुद्रित 179)

- दबा हुआ रोष और क्रोध: स्रोत कहता है कि तीव्र क्रोध यकृत को हानि पहुँचाता है और इस अवस्था में उल्लंघन से रोग अवश्य होता है।
- लंबी यात्रा: स्रोत कहता है कि यौन संबंध के बाद सौ ली चलने वाला बीमार होता है और सौ ली चलने के बाद संबंध बनाने वाला मर जाता है। ली मूल की दूरी की इकाई है; इसे किलोमीटर में नहीं बदला गया है।
- नशा और भरपेट भोजन: स्रोत इनके बाद संबंध बनाने को पाँच आंतरिक अंगों की व्यवस्था उलटने वाला बताता है।
- खाली पेट: स्रोत उल्लंघन को मूल आत्मिक शक्ति की क्षति से जोड़ता है।
- बीमारी के बाद: स्रोत के अनुसार उल्लंघन से लक्षण बदलकर रोग दोबारा उभरता है।
- गर्भावस्था: स्रोत कहता है कि उल्लंघन गर्भ को नुकसान पहुँचाता है, इसलिए गर्भ ठहरने के बाद अलग बिस्तरों पर सोना और यौन इच्छा से विरत रहना चाहिए। वह इसे गर्भ-संस्कार के पालन से जोड़ता है और दावा करता है कि इससे गर्भपात तथा बच्चों की 'गर्भ-विष' और 'गर्भ-दुर्बलता' कही गई स्थितियों, गंभीर दानों और चेचक, 'विचरती वायु', ऐंठन तथा 'या-गान' नामक मसूड़ों के रोग का भय नहीं रहता। आगे वह दावा करता है कि पैदा होने वाला लड़का गरिमापूर्ण और सीधा तथा लड़की सतीत्वनिष्ठ, शांत और सौम्य होगी और दोनों स्वाभाविक रूप से दुराचार में नहीं पड़ेंगे। ये दावे स्रोत के हैं, चिकित्सा-कारणों का प्रमाण या बच्चे के भावी आचरण की गारंटी नहीं।

A09 — मनुष्य की अवस्थाओं से जुड़े निषेध, आगे (PDF 183; मुद्रित 180)

- प्रसव के बाद: स्रोत निश्चित रूप से कहता है कि दस से कुछ अधिक दिनों के भीतर उल्लंघन से स्त्री की मृत्यु और सौ दिनों के भीतर उल्लंघन से रोग होता है।
- मासिक धर्म के समय, जिसे स्रोत 'त्येनगुइ का आना' कहता है: उल्लंघन से 'श्युए-मा' (血麻証) नामक अवस्था और स्त्री-पुरुष दोनों को रोग होने का कथन है। ऐतिहासिक रोगनाम रखा गया है; कोई आधुनिक निदान नहीं गढ़ा गया।
- बाँस की चटाई: स्रोत बाँस की प्रकृति ठंडी बताता है और कहता है कि उस पर उल्लंघन करने से आसानी से ठंड लगती है।
- पतली रज़ाई: स्रोत कहता है कि उल्लंघन से ठंड हड्डियों में प्रवेश करती है।
- खिड़की की दरार से आने वाली हवा से बचने और देर रात सोने जाते समय संयम रखने को कहा गया है।
- संबंध अभी समाप्त हुआ हो और पास में शिशु रो रहा हो, तो स्रोत तुरंत स्तनपान न कराने को कहता है।
- संबंध के तुरंत बाद पंखा झलने तथा ठंडी चाय या ठंडा पानी पीने से मना किया गया है। स्रोत कहता है कि बहुत अधिक ठंड लगने से तुरंत मृत्यु भी हो सकती है।
- एक रात में दो बार संबंध बनाने से मना किया गया है।
- कामोत्तेजक नुस्खों और स्रोत की दृष्टि में अनुचित औषधियों के सेवन से मना किया गया है।

- वीर्य को रोककर बाहर न निकलने देने से मना किया गया है।
- बीमारी, फोड़े और चेचक: इन तीनों का साझा कथन है कि पूरी तरह स्वस्थ हुए बिना उल्लंघन बिल्कुल न किया जाए; स्रोत कहता है कि उल्लंघन करने वालों में अधिकतर की मृत्यु होती है।
- आँख का रोग: रोग ठीक न हुआ हो या अभी-अभी ठीक हुआ हो, तो स्रोत उल्लंघन से अंधापन होने का निश्चित दावा करता है।
- क्षयकारी दुर्बलता: ठीक होकर बल लौटने पर भी स्रोत एक वर्ष यौन संयम को आवश्यक बताता है। वह कहता है कि स्वयं को स्वस्थ मानकर उल्लंघन करने वालों में अधिकतर की मृत्यु होती है।
- स्नायु और हड्डियों की चोट: ठीक होने के बाद भी एक सौ सत्तर या एक सौ अस्सी दिन संयम रखने को कहा गया है। सौ दिन बीतने से पहले उल्लंघन करने पर मृत्यु और उसके बाद भी विकलांगता होने का निश्चित दावा किया गया है।
- अत्यधिक श्रम, अत्यधिक मानसिक चिंता, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक भय और अत्यधिक शोक: सभी का साझा नियम है कि उल्लंघन न किया जाए। स्रोत हल्के परिणाम के रूप में चिरकालिक रोग और गंभीर परिणाम के रूप में तत्काल मृत्यु बताता है।

U03 — उद्धृत पाठ का उपसंहार (PDF 183–184; मुद्रित 180–181)

स्रोत कहता है कि ऊपर दी गई महीनेवार संयम की तिथियों और स्वर्ग, मनुष्य आदि से जुड़े निषेधों को छोड़ने पर हर महीने छह या सात दिन ऐसे बचते हैं जिनमें कोई निषेध नहीं होता। शरीर की रक्षा करने वाला व्यक्ति, उसके अनुसार, वैसे भी महीने

में अधिकतम तीन या चार बार ही संबंध बनाता है; वह इसी से रोगों से बचे रहने तथा आत्मिक और शारीरिक स्फूर्ति की दृढ़ता का दावा करता है। वह आगे यह भी निश्चित रूप से कहता है कि कम कामेच्छा वाले लोगों के अधिक पुत्र होते हैं और उनकी संतान का शरीर भी सबल होता है। फिर वह नए विवाहित युवकों पर खेद प्रकट करता है जो इच्छाओं में बहकर शरीर को क्षति पहुँचाते हैं और दीर्घ वैवाहिक सुख को थोड़े ही समय में नष्ट कर देते हैं। अंत में वह आग्रहपूर्ण प्रश्न उठाता है: क्यों न संयम की तिथियों का सावधानी से पालन कर शरीर की रक्षा और जीवन को सँभाला जाए, ताकि आगे चलकर पति-पत्नी सम्मानपूर्वक साथ वृद्ध हों, अनेक बच्चों-पोतों का सुख मिले और पारिवारिक आनंद पूरा भोग सकें?

स्रोत-पाठ की अनिर्णीत बातें

- महीनेवार तालिकाओं में 216 अलग तारीख-समूह हैं; इनके अतिरिक्त बारहवें महीने के पहले दस दिनों में वू दिन की स्वतंत्र शर्त है। स्रोत स्वयं कुल 225 दिनों का दावा करता है। ये संख्याएँ एक ही प्रकार की गिनती नहीं हैं; अंतर भरने के लिए नौ दिन नहीं गढ़े गए हैं।
- सातवें और दसवें महीने के पहले दिन ‘मासांत का अंध-चंद्र दिवस’ ही रखा गया है। स्रोत का यह पाठ संदिग्ध है, लेकिन इसे चुपचाप ‘मासारंभ’ नहीं किया गया।
- बारहवें महीने के छठे दिन PDF में ‘स्वर्ग का भंडार खुलने का महीना’ (天仓开月) और वेबसाइट में ‘खुलने का दिन’ (天仓开日) है। अनुवाद ने PDF का पाठ रखा और यह पाठांतर बताया है।
- यांग की असंगति की तालिका में पहले महीने का ‘申寅’ अनिर्णीत है; अनुमान से दूसरा चक्रीय संकेत नहीं बनाया गया।
- चौथे महीने के चौथे और आठवें दिन ‘失瘡’ शब्द को अर्थ या अक्षर गढ़े बिना उसी स्थान पर छोड़ा गया है।
- इस परिशिष्ट की स्वतंत्र अनुवाद-समीक्षा पूरी है; ऊपर दिए गए स्रोत-पाठ के अनिर्णीत अंश यथावत हैं। यह मूल TXT की उसी मुद्रित प्रति से तालिका मिलने का प्रमाण नहीं है।

तालिका के बाहरी संदर्भ की तुलना:

<https://www.jiexieyin.cn/post/1553.html>